Daily Current Affairs

Date : 24 October, 2025

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	राजस्थान में पहली बार 'हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (HAM)' आधारित जलापूर्ति परियोजनाएँ
2.	धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (DAJGUA) में राजस्थान पूरे देश में प्रथम स्थान पर
3.	खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (KIUG) – 2025
4.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. रूमा देवी को यंग कंट्री अवॉर्ड 2. 10वीं विश्व वुशू कुंगफू चैम्पियनशिप में राजस्थान 3. 'शौर्य पार्क' और 'कैक्टस पार्क' : जैसलमेर
5.	वी राइज़ इनिशिएटिव
6.	बाथौसिम
7.	भारत व खाद्य और कृषि संगठन साझेदारी : 80 वर्ष पूर्ण
8.	तुवालु द्वीप
9.	स्वदेशी एंटीबायोटिक नैफिथ्रोमाइसिन
10.	चंद्रयान-2 : पहली बार चंद्रमा पर सौर विस्फोट के प्रभाव का अवलोकन किया
11.	तन्वी शर्मा : बैडमिंटन

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राजस्थान परिदृश्य

राजस्थान में पहली बार 'हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (HAM)' आधारित जलापूर्ति परियोजनाएँ

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा राजस्थान में पहली बार हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (HAM) आधारित जलापूर्ति परियोजनाएँ शुरू किए जाने की घोषणा की गई।

मुख्य बिन्दु:

- जल जीवन मिशन के अन्तर्गत प्रदेश की पाँच पेयजल परियोजनाओं को पूरा करने के लिए यह मॉडल लागू किया जाएगा। HAM एक प्रकार की सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) परियोजना है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- इन परियोजनाओं से राजस्थान के 5,000 ग्रामों में जल जीवन मिशन (JJM) के तहत 4 लाख 20 हजार घरेलू नल कनेक्शन किए जाएंगे, जिससे इन परियोजना वाले क्षेत्रों के लगभग 20 लाख लोग लाभान्वित होंगे।
- **अनुमानित परिव्यय :** ₹18,879 करोड़।
- HAM के तहत जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग कुल पूँजी लागत का 40 प्रतिशत निवेश करेगा और शेष 60 प्रतिशत परियोजना लागत ठेकेदार द्वारा निवेश की जाएगी। ठेकेदार को अपनी निवेश राशि 10 वर्षों की अवधि में 20 किश्तों के माध्यम से एन्युटी भुगतान के रूप में वापस की जाएगी।
- इस मॉडल से राज्य सरकार की जलापूर्ति परियोजनाओं के लिए प्रारंभिक वित्तीय आवश्यकता कम हो जाएगी। जलापूर्ति परियोजनाओं का संचालन और रखरखाव 10 वर्षों तक परियोजना क्रियान्वयन वाले ठेकेदार द्वारा ही किया जाएगा।

प्रथम चरण की 'हाइब्रिड एन्युटी मॉडल' आधारित जलापूर्ति परियोजनाएँ :

क्रमांक	परियोजना का नाम	संबंधित जिले	जलस्रोत	अनुमानित लागत (₹ करोड़ में)
1.	चंबल नदी से जलापूर्ति परियोजना	करौली एवं सवाई माधोपुर	चंबल नदी	3066.90
2.	चंबल नदी से जलापूर्ति परियोजना	अलवर एवं भरतपुर	चंबल नदी	4813.67
3.	कालीतीर जलापूर्ति परियोजना	धौलपुर एवं भरतपुर	चंबल नदी	606.79
4.	जाखम डैम से जलापूर्ति परियोजना	चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, राजसमंद एवं उदयपुर	जाखम डैम	3266.18
5.	इंदिरा गांधी नहर परियोजना (IGNP) से जलापूर्ति परियोजना	सीकर एवं झुंझुनूं	इंदिरा गांधी नहर	7125.97

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

जल जीवन मिशन (JJM)

- केंद्र सरकार द्वारा अगस्त, 2019 में देश के प्रत्येक ग्रामीण घर में नल से पेयजल आपूर्ति करने के उद्देश्य से राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के साथ साझेदारी से जल जीवन मिशन (JJM) की शुरुआत की गई।
- **क्रियान्वयन :** पेयजल और स्वच्छता विभाग (जल शक्ति मंत्रालय)।
- **राजस्थान में क्रियान्वयन :** राजस्थान में जल जीवन मिशन (JJM) के कार्यान्वयन की प्राथमिक ज़िम्मेदारी 'जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (PHED)' की है। जल राज्य सूची का विषय है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (DAJGUA) में राजस्थान पूरे देश में प्रथम स्थान पर

चर्चा में क्यों?

- **धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (DAJGUA) के तहत जनजातीय क्षेत्रों में विकास कार्यों और सरकारी सेवाओं की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर रहा।**

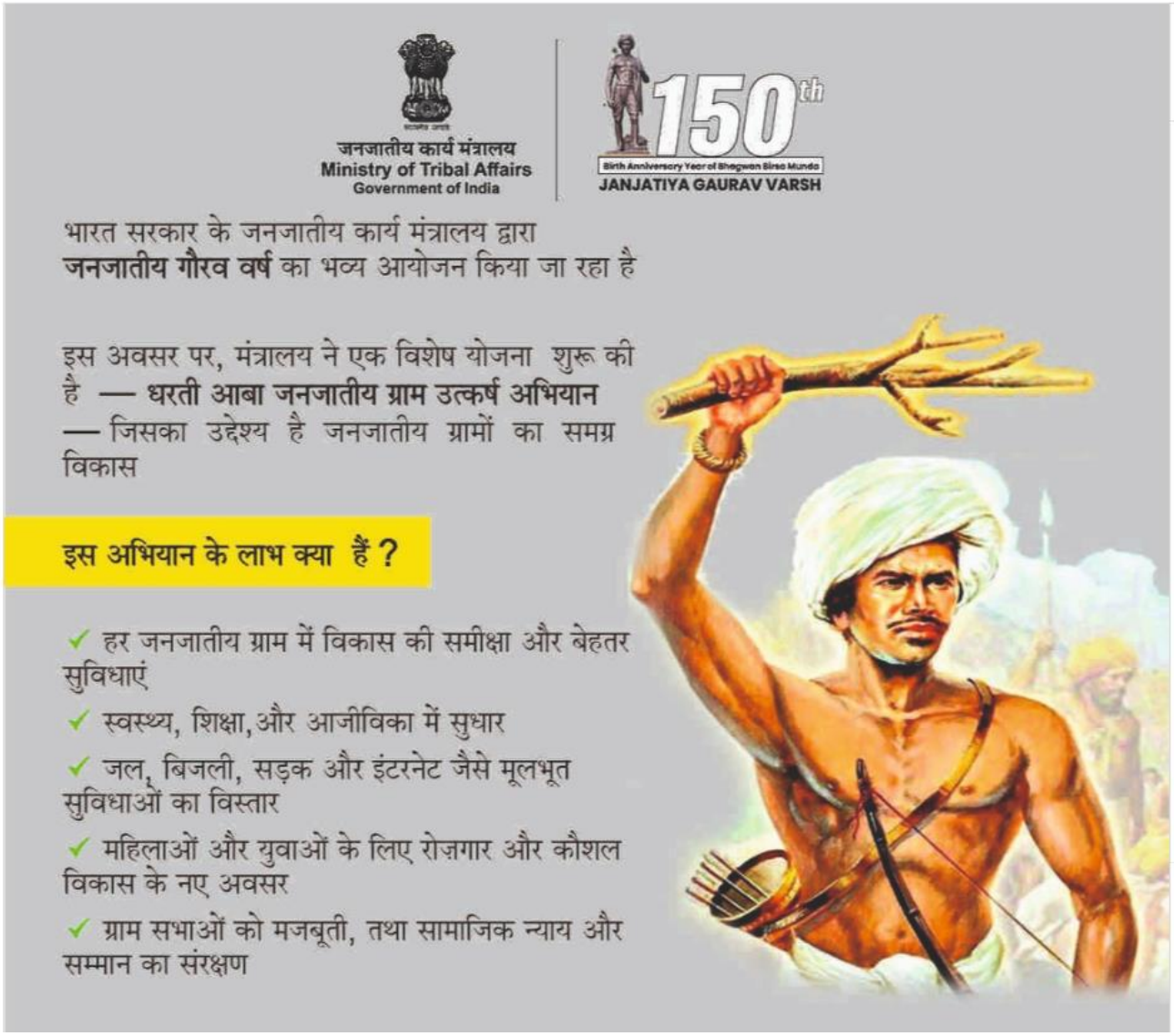

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

मुख्य बिन्दु:

- हाल ही में, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 'आदि कर्मयोगी अभियान' के नेशनल कॉन्क्लेव में राजस्थान को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया।
- यह पुरस्कार राजस्थान के जनजाति विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुंजीलाल मीणा को प्रदान किया गया।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (DAJGUA):

- **कैबिनेट की स्वीकृति :** 18 सितंबर, 2024
- **शुरुआत :** प्रधानमंत्री द्वारा झारखंड के हज़ारीबाग़ से 2 अक्टूबर, 2024 (महात्मा गांधी जयंती)
- **योजना का कुल परिव्यय :** ₹79,156 करोड़ (केंद्र का हिस्सा: ₹56,333 करोड़ और राज्यों का हिस्सा : ₹22,823 करोड़)
- **सम्बद्ध मंत्रालय :** जनजातीय कार्य मंत्रालय।
- **उद्देश्य :** आकांक्षी जिलों में 63,000 से अधिक आदिवासी बहुल गांवों में मूलभूत सुविधाओं की पहुँच स्थापित करना।
- यह अभियान 30 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सभी आदिवासी बहुल गाँवों और आकांक्षी ब्लॉकों में फैले 549 जिलों और 2,911 ब्लॉकों के लगभग 63,843 गाँवों को कवर करेगा और 5 करोड़ से ज़्यादा आदिवासी लोगों को लाभान्वित करेगा।
- मिशन के उद्देश्यों में व्यक्तिगत अधिकारों, हकों और प्रमुख सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना, दस्तावेजों और लाभों की घर-घर डिलीवरी सुनिश्चित करना, सामुदायिक लामबंदी के माध्यम से सहभागी शासन को बढ़ावा देना शामिल है।
- **नीति आयोग के 'आकांक्षी जिला कार्यक्रम' के तहत राजस्थान के आकांक्षी जिले :** बारां, धौलपुर, जैसलमेर, करौली और सिरोही।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (KIUG) – 2025

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राजस्थान के 7 शहरों में आयोजित होने वाले 'खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (KIUG) 2025' के आयोजन स्थलों की घोषणा की गई।

मुख्य बिन्दु:

- **संस्करण :** पाँचवाँ।
- **आयोजन अवधि :** 24 नवंबर से 05 दिसंबर, 2025 तक।
- **आयोजन स्थल :** जयपुर, अजमेर, उदयपुर, जोधपुर, बीकानेर, कोटा और भरतपुर।
- **उद्घाटन :** सवाई मान सिंह स्टेडियम, जयपुर।
- **समापन :** पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

प्रमुख खेल और आयोजन स्थल:

क्रम	स्थान	खेल परिसर	स्पर्धा
1.	जयपुर	SMS स्टेडियम, पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जगतपुरा शूटिंग रेंज, राजस्थान यूनिवर्सिटी	एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, हॉकी, तैराकी, टेनिस, फुटबॉल, तीरंदाजी, निशानेबाजी, मलखंभ, साइक्लिंग
2.	जोधपुर	चैनपुरा इंडोर हॉल	टेबल टेनिस और योगासन
3.	अजमेर	पटेल स्टेडियम	रग्बी
4.	उदयपुर	-	जूडो, बीच वॉलीबॉल, केनो-कयाकिंग
5.	बीकानेर	MGM यूनिवर्सिटी	कबड्डी
6.	कोटा	रघुराय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स	तलवारबाजी और वॉलीबॉल
7.	भरतपुर	लोहागढ़ स्टेडियम हॉल	बॉक्सिंग और कुश्ती

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2025 हेतु समितियाँ:

आयोजन और कॉर्डिनेशन समिति:

- **सदस्य संख्या -** 19
- **अध्यक्ष -** राजस्थान के मुख्यमंत्री।
- **उपाध्यक्ष –** केन्द्रीय खेल मंत्री।
- **सदस्य -** राजस्थान सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, भारतीय ओलंपिक संघ (IOA), भारतीय विश्वविद्यालय संघ (AIU) और भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) के अधिकारी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

एग्जीक्यूटिव समिति : (निगरानी एवं सुपरविजन हेतु)

- **सदस्य संख्या -** 29
- **अध्यक्ष -** राजस्थान के मुख्य सचिव।
- **उपाध्यक्ष -** भारत सरकार के खेल सचिव।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

✂️ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	**रूमा देवी को यंग कंट्री अवॉर्ड** ■ भारत की पारंपरिक कारीगरी में युवाओं को कौशल विकास प्रदान करने और विरासत को संरक्षित करने हेतु हाल ही में नई दिल्ली स्थित द कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ इंडिया में केन्द्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बाड़मेर की रूमा देवी को 'यंग कंट्री अवॉर्ड' से सम्मानित किया।
2.	**10वीं विश्व वुशू कुंगफू चैम्पियनशिप में राजस्थान** ■ 10वीं विश्व वुशू कुंगफू चैम्पियनशिप में राजस्थान के अर्केश्वर मेड़तवाल और रजत प्रकाश गुप्ता ने कांस्य पदक जीते। ■ अर्केश्वर ने कुंगफू फैन कैटेगरी में जबकि रजत ने जिंगीक्वान कैटेगरी में पदक हासिल किए। ■ प्रतियोगिता में राजस्थान के खिलाड़ी : अर्केश्वर मेड़तवाल, रजत प्रकाश गुप्ता और भव श्रीमाली। ■ आयोजन : 14 से 20 अक्टूबर, 2025 तक इमिशान (चीन) में। ■ आयोजक : अंतरराष्ट्रीय वुशु महासंघ (IWUF)
3.	**'शौर्य पार्क' और 'कैक्टस पार्क' : जैसलमेर** ■ हाल ही में, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जैसलमेर में 'शौर्य पार्क' और 'कैक्टस पार्क' का उद्घाटन किया। ■ साथ ही, रक्षा मंत्री ने जैसलमेर में 'ईयर ऑफ रिफॉर्म्स' थीम पर आधारित 'आर्मी कमांडर्स कॉन्फ्रेंस' में भाग लिया।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

राष्ट्रीय परिदृश्य

वी राइज़ इनिशिएटिव

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, नीति आयोग और डीपी वर्ल्ड द्वारा महिला उद्यमियों द्वारा समावेशी और सतत उद्यमों की पुनर्कल्पना (वी राइज) पहल ('We Rise – Women Entrepreneurs Reimagining Inclusive and Sustainable Enterprises') का शुभारंभ किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- **लॉन्च :** इसे वूमन एंटरप्रेन्योरशिप प्लेटफ़ॉर्म (WEP) के अवार्ड टू रिवार्ड (ATR) पहल के तत्वावधान में लॉन्च किया गया था ।
- **उद्देश्य :** भारत में महिला उद्यमियों को व्यापार सुविधा, मार्गदर्शन और रणनीतिक साझेदारी के माध्यम से वैश्विक स्तर पर अपने व्यवसाय को बढ़ाने में सहायता करना।
- इस कार्यक्रम के तहत देशभर की उच्च-विकास क्षमता वाली महिला संचालित सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSMEs) की पहचान की जाएगी और उन्हें वैश्विक व्यापार के अनुरूप तैयार किया जाएगा।
- चयनित उद्यमियों को दुबई के भारत मार्ट (Bharat Mart) (जेबेल अली फ्री ज़ोन में स्थित एक अंतरराष्ट्रीय B2B और B2C बाज़ार है।) में अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का अवसर भी प्रदान किया जाएगा।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

महिला उद्यमिता मंच:

- **विकास :** वर्ष 2018 में नीति आयोग में एक एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित किया गया, जिसे वर्ष 2022 में सार्वजनिक-निजी भागीदारी में परिवर्तित कर दिया गया।
- **उद्देश्य :** यह भारत की महिला उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को वास्तविकता बनाने के लिए एक राष्ट्रीय एग्रीगेटर के रूप में कार्य करता है।
- **कार्य :** WEP एक सक्षमकर्ता के रूप में कार्य करता है, जो छह प्रमुख पारिस्थितिकी तंत्र आवश्यकताओं को पूरा करता है - वित्त तक पहुँच, बाजार संपर्क, प्रशिक्षण और कौशल, परामर्श और नेटवर्किंग, अनुपालन और कानूनी सहायता, और व्यवसाय विकास सेवाएँ।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

बाथौसिम

चर्चा में क्यों?

- असम में बोडो समुदाय के बाथौ धर्म को आगामी जनगणना में एक अलग कोड मिलेगा।

मुख्य बिन्दु:

बाथौ धर्म :

- यह असम की सबसे बड़ी मैदानी जनजाति बोडो का पारंपरिक धार्मिक विश्वास है।
- 'बाथौ' शब्द बोडो भाषा से लिया गया है , जहां 'बा' का अर्थ है 'पाँच' और 'तू' का अर्थ है 'गहन दार्शनिक विचार'।
- आस्था प्रणाली पांच तत्वों पर आधारित है : बर (वायु), द्वि (जल), हा (पृथ्वी), ओर (अग्नि), और ओखरंग (आकाश)।

बाथौसिम की मान्यताएँ

- यह समुदाय ब्रवराई बाथौ को सर्वोच्च देवता के रूप में पूजता है। बोडो भाषा में, 'ब्रवराई' शब्द शक्ति या ज्ञान के परिपेक्ष्य में 'वरिष्ठ' व्यक्ति को दर्शाता है।
- बाथौ धर्म सिजौ पौधे (यूफोरबिया स्प्लेंडेंस) पर केंद्रित है, इसे बोडो लोगों के बाथौ धर्म के प्रतीक के रूप में केंद्र में बाथौ वेदी में लगाया गया है।
- यह पौधा बोडो लोगों के सर्वोच्च देवता बाथौब्राय का जीवित प्रतीक है ।
- बोडो लोग सिजोऊ वृक्ष को एक ऊंचे वेदी पर लगाते हैं, जिसके चारों ओर बाँस की बाड़ लगी होती है, जिसमें बाँस के पाँच टुकड़ों से बुने हुए अठारह जोड़े खंभे होते हैं।
- पाँच बाँस की पट्टियां बाथौ के पाँच बंधनों का प्रतीक हैं, अर्थात (i) जन्म (ii) विवाह या प्रजनन, (iii) दुःख (iv) उत्साह और (v) मृत्यु।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- अनुसूचित जनजाति भारत की जनसंख्या का 8.6% है (जनगणना 2011)। मसौदा राष्ट्रीय जनजातीय नीति, 2006 में भारत की 698 अनुसूचित जनजातियाँ दर्ज हैं।
- विशेष रूप से कमज़ोर जनजातीय समूह (PVTGs) ऐसी जनजातियों का समूह है जो जनजातीय समूहों के बीच अधिक असुरक्षित/सुभेद्य हैं। 75 सूचीबद्ध PVTGs में से सबसे अधिक संख्या ओडिशा में पाई जाती है।
- गोंड के बाद भील सबसे बड़ा आदिवासी समूह (भारत की कुल अनुसूचित जनजातीय आबादी का 38% है।
- भारत की सबसे अधिक जनजातीय आबादी मध्य प्रदेश में पाई जाती है (जनगणना 2011)।
- संथाल भारत की सबसे पुरानी जनजाति है। संथालों की शासन प्रणाली, जिसे मांझी-परगना के नाम से जाना जाता है, की तुलना स्थानीय स्वशासन से की जा सकती है।
- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति सूची (परिशोधन आदेश), 1956 के अनुसार, लक्षद्वीप के ऐसे निवासी जो स्वयं और जिनके माता-पिता दोनों इन द्वीपों में पैदा हुए थे, उन्हें अनुसूचित जनजाति के रूप में माना जाता है।
- संविधान का अनुच्छेद 342 अनुसूचित जनजातियों के विनिर्देशन के लिये अपनाई जाने वाली प्रक्रिया का निर्धारण करता है।
- अनुच्छेद 275 अनुसूचित जनजातियों के कल्याण को बढ़ावा देने और उन्हें बेहतर प्रशासन प्रदान करने के लिये केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकार को विशेष धन देने का प्रावधान करता है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

भारत व खाद्य और कृषि संगठन साझेदारी : 80 वर्ष पूर्ण

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, भारत और संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) ने विश्व खाद्य दिवस, 2025 पर अपनी साझेदारी के 80 वर्ष पूर्ण किए।

मुख्य बिन्दु:

खाद्य एवं कृषि संगठन :

- यह संयुक्त राष्ट्र (UN) की एक विशेष एजेंसी है जो भूखमरी को समाप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्व करती है।
- **स्थापना :** अक्टूबर, 1945 (संयुक्त राष्ट्र की सबसे पुरानी स्थायी विशेष एजेंसी)।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **मुख्यालय :** रोम, इटली।
- **सदस्य :** 195 सदस्य देश (194 देश और यूरोपीय संघ) ; भारत FAO का संस्थापक सदस्य है।

कार्य :

- FAO कृषि, वानिकी, मत्स्य पालन, तथा भूमि एवं जल संसाधनों के विकास के कार्यक्रमों में सरकारों और तकनीकी एजेंसियों के प्रयासों का समन्वय करता है।
- यह भूख से लड़ने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों का नेतृत्व करता है।
- यह विकासशील और विकसित देशों के बीच समझौतों पर बातचीत करने का एक मंच है और विकास में सहायता के लिए तकनीकी ज्ञान और सूचना का स्रोत भी है।

FAO द्वारा प्रकाशित रिपोर्टें :

1. विश्व के वनों की स्थिति (SOFO)
2. विश्व मत्स्य पालन और जलीय कृषि की स्थिति (SOFIA)
3. कृषि वस्तु बाजारों की स्थिति (SOCO)
4. विश्व में खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति (SOFI)।

FAO और भारत के सम्बन्ध :

- **शुरुआत :** वर्ष 1945 से संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन की स्थापना के समय से।
- **साझेदारी :** FAO ने 1948 में भारत में अपना संचालन शुरू किया था। इसका एक कार्यालय नई दिल्ली में है। भारत में FAO का नोडल मंत्रालय कृषि मंत्रालय है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- भारत सरकार का मुख्य उद्देश्य स्थायी तरीके से दक्षता बढ़ाकर और समानता सुनिश्चित करके किसानों की आय दोगुनी करना है।

प्राथमिकता वाले क्षेत्र	
टिकाऊ और बेहतर कृषि उत्पादकता और बढ़ी हुई कृषि आय	मजबूत खाद्य एवं पोषण सुरक्षा प्रणालियाँ
वैश्विक सार्वजनिक हित के लिए प्रभावी प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, सामुदायिक विकास और सीमापार सहयोग में सहायता	कृषि क्षेत्र में बेहतर सामाजिक समावेशन, बेहतर कौशल और रोजगार के अवसर

भारत का खाद्य प्रसंस्करण :

अवसर	चुनौतियाँ
■ **विस्तारित बाज़ार:** खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र तेज़ी से बढ़ रहा है, जिसका मूल्य वर्ष 2023 में 336 बिलियन अमेरिकी डॉलर तथा वर्ष 2032 तक दोगुना होने का अनुमान है। ■ **प्रभाव :** यह विस्तार रोज़गार सृजन करता है, कृषि का मूल्यवर्द्धन करता है, तथा भारत की GDP को मज़बूत करता है।	■ **बुनियादी ढाँचे की कमी और फसल नुकसान:** भारत में पर्याप्त कोल्ड चेन, भंडारण और परिवहन सुविधाओं का अभाव है, जिसके कारण लगभग 30 प्रतिशत खाद्य सामग्री बर्बाद हो जाती हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **शहरीकरण:** बढ़ती शहरी जनसंख्या और व्यस्त जीवनशैली के चलते रेडी-टू-ईट, पैकेज्ड और सुविधाजनक खाद्य पदार्थों की मांग तेज़ी से बढ़ रही है, जिसके वर्ष 2025 तक 12 लाख करोड़ रुपये को पार करने की संभावना है।
- **प्रभाव :** यह स्थिति उत्पाद विविधीकरण और नए ब्रांडों के लिये व्यापक संभावनाएँ खोलती है।

- **SME के लिये प्रौद्योगिकी एवं वित्तीय बाधाएँ:** छोटे और मध्यम उद्यम आधुनिक मशीनरी की उच्च लागत तथा ऋण तक सीमित पहुँच से जूझ रहे हैं।

- **स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती और जैविक खाद्य पदार्थ:** जैविक तथा पादप-आधारित उत्पादों की मांग में स्थिरता का योगदान है। अनुमान है कि वर्ष 2025 तक जैविक बाज़ार 75,000 करोड़ रुपये तक पहुँच जाएगा तथा उपभोक्ता इसके लिये ज़्यादा भुगतान करने को तैयार होंगे।

- **नियामक जटिलता:** भारत का खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र अनेक और परस्पर-अतिव्यापी नियमों से जूझ रहा है, जिन्हें भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (FSSAI), कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA), भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) और राज्य स्तरीय एजेंसियाँ लागू करती हैं। इससे अनुपालन लागत अधिक हो जाती है और विशेषकर लघु एवं मध्यम उद्यमों (SMEs) के लिये अनिश्चितता उत्पन्न होती है।
- एकल-खिड़की स्वीकृति प्रणाली (Single-window clearance system) की अनुपस्थिति और बार-बार नियमों में बदलाव घरेलू वृद्धि और निर्यात प्रतिस्पर्धा को और बाधित करते हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **प्रौद्योगिकी और नवाचार:** स्वचालन, AI, रोबोटिक्स और स्मार्ट पैकेजिंग को अपनाने से दक्षता और गुणवत्ता में बदलाव आ रहा है।
- **प्रभाव :** भारतीय फूड टेक बाज़ार में यह बदलाव वैश्विक प्रतिस्पर्द्धा के लिये नए अवसर खोलता है।

- **कुशल कार्यबल की कमी और निम्न अनुसंधान एवं विकास (R&D):** यह क्षेत्र कौशल अंतराल से जूझ रहा है, जहाँ खाद्य प्रौद्योगिकी में लाखों प्रशिक्षित श्रमिकों की मांग है। अनुसंधान एवं विकास में निम्न निवेश नवाचार और मूल्य-वर्द्धित उत्पादों के विकास को सीमित करता है।

- **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSMEs) एवं ग्रामीण रोजगार:** भारत में 6.3 करोड़ MSMEs हैं जो सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में लगभग 30 प्रतिशत का योगदान देते हैं।
- **प्रभाव :** यह किसानों को मूल्य शृंखला (Value Chain) में आगे बढ़ने में मदद करती हैं और ग्रामीण आजीविका को सहयोग प्रदान करती हैं।

- **वैश्विक प्रसंस्कृत निर्यात में कम हिस्सेदारी:** भारत के कृषि-निर्यातों में केवल 16 प्रतिशत प्रसंस्कृत उत्पाद शामिल हैं, जबकि अमेरिका में यह 25 प्रतिशत और चीन में 49 प्रतिशत है। इससे स्पष्ट होता है कि भारत की निर्यात क्षमता का अभी तक पूर्ण रूप से उपयोग नहीं हो पाया है।
- **गुणवत्ता-सम्बंधी बार-बार अस्वीकृति** भारत की निर्यात साख को नुकसान पहुँचाती है। यूरोपीय संघ ने वर्ष 2024 में 527 उत्पादों में संदूषण पाया। साथ ही, भारतीय और वैश्विक मानकों के बीच सामंजस्य की कमी अंतरराष्ट्रीय बाज़ारों में प्रतिस्पर्धा को और सीमित करती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

तुवालु द्वीप

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, तुवालु आधिकारिक तौर पर अंतरराष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) का 90वां राज्य सदस्य बन गया है।

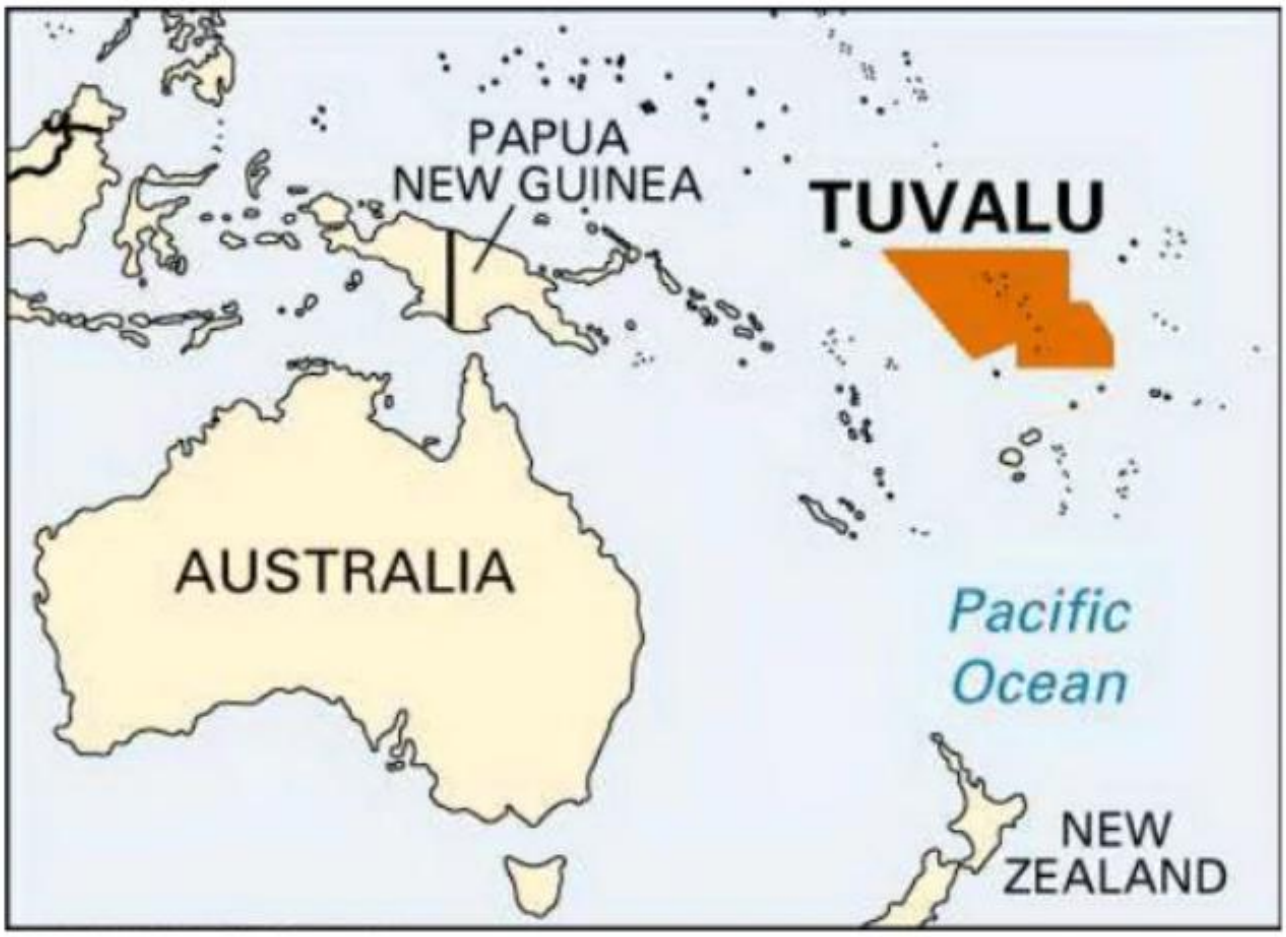

मुख्य बिन्दु:

तुवालु द्वीप :

- **अवस्थिति :** पहले एलिस द्वीपसमूह के नाम से जाना जाने वाला तुवालु, दक्षिण प्रशांत महासागर में हवाई और ऑस्ट्रेलिया के मध्य स्थित एक पोलिनेशियाई द्वीपीय देश है। इसमें नौ द्वीप शामिल हैं, जिनमें से चार रीफ द्वीप तथा पाँच प्रवाल एटोल हैं।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **स्वतंत्रता :** तुवालु अक्टूबर 1978 में यूनाइटेड किंगडम से स्वतंत्र हो गया।
- **भौगोलिक दशा :** यहाँ कोई नदियाँ नहीं हैं। तुवालु की जलवायु गर्म और बरसाती है।
- **विशेषता :**
  - यह 26 वर्ग किलोमीटर भूमि के साथ दुनिया का चौथा सबसे छोटा देश है।
  - छोटे से वेटिकन सिटी को छोड़कर, तुवालु में किसी भी अन्य स्वतंत्र राष्ट्र की तुलना में सबसे कम निवासी हैं।
- **राजधानी :** फुनाफुटी
- **भाषाएँ :** अधिकांश लोग तुवालुअन भाषा बोलते हैं । अंग्रेजी का व्यापक रूप से प्रयोग किया जाता है।
- **मुद्रा :** तुवालु डॉलर (ऑस्ट्रेलियाई डॉलर के बराबर)।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

विज्ञान प्रौद्योगिकी

स्वदेशी एंटीबायोटिक नैफिथ्रोमाइसिन

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार भारत ने पहली स्वदेशी एंटीबायोटिक नैफिथ्रोमाइसिन विकसित कर ली है।

मुख्य बिन्दु:

- **विकास :** यह एक एंटीबायोटिक है जिसे "बायोटेक्नोलॉजी इंडस्ट्री रिसर्च असिस्टेंस काउंसिल" (BIRAC) के सहयोग से विकसित किया गया है।
- **व्यापारिक नाम :** "मिक्नाफ"
- **उपचार :** यह नवाचार सामुदायिक-अधिग्रहित जीवाणुजनित निमोनिया (CABP) के उपचार के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- यह प्रतिरोधी श्वसन संक्रमणों के विरुद्ध प्रभावी है, विशेष रूप से कैंसर रोगियों और खराब नियंत्रित मधुमेह रोगियों के लिए उपयोगी है।
- **प्रभावशीलता :** यह विशिष्ट और असामान्य दोनों प्रकार के रोगाणुओं को लक्ष्य करता है, तथा एक शक्तिशाली समाधान प्रस्तुत करता है।

विशेषताएं :

- यह भारत में पूर्णतः संकल्पित, विकसित और चिकित्सकीय रूप से मान्य पहला अणु है।
- यह देश की पहली स्वदेशी रूप से विकसित एंटीबायोटिक है जिसका उद्देश्य रोगाणुरोधी प्रतिरोध (AMR) से निपटना है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

रोगाणुरोधी प्रतिरोध (AMR):

- यह तब होता है जब बैक्टीरिया, वायरस, कवक और परजीवी रोगाणुरोधी दवाओं पर प्रतिक्रिया नहीं करते हैं।
- दवा प्रतिरोध के परिणामस्वरूप, एंटीबायोटिक्स और अन्य रोगाणुरोधी दवाएं अप्रभावी हो जाती हैं और संक्रमण का इलाज करना मुश्किल या असंभव हो जाता है।
- एएमआर एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जो समय के साथ रोगजनकों में आनुवंशिक परिवर्तनों द्वारा संचालित होती है, इसका प्रसार मानवीय गतिविधियों द्वारा काफी तेजी से होता है।

निमोनिया :

- यह गंभीर बीमारी दवा-प्रतिरोधी बैक्टीरिया के कारण होती है।
- इसमें फेफड़े सर्वाधिक प्रभावित होते है।
- यह बच्चों, बुजुर्गों और मधुमेह या कैंसर के रोगियों जैसे कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले व्यक्तियों को असमान रूप से प्रभावित करती है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

चंद्रयान-2 : पहली बार चंद्रमा पर सौर विस्फोट के प्रभाव का अवलोकन किया

चर्चा में क्यों?

- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) की घोषणा अनुसार चंद्रयान-2 के चंद्र ऑर्बिटर पर लगे CHACE-2 पेलोड ने चंद्रमा पर सूर्य के कोरोनल मास इजेक्शन (CME) प्रभाव का पहली बार प्रत्यक्ष अवलोकन किया है।

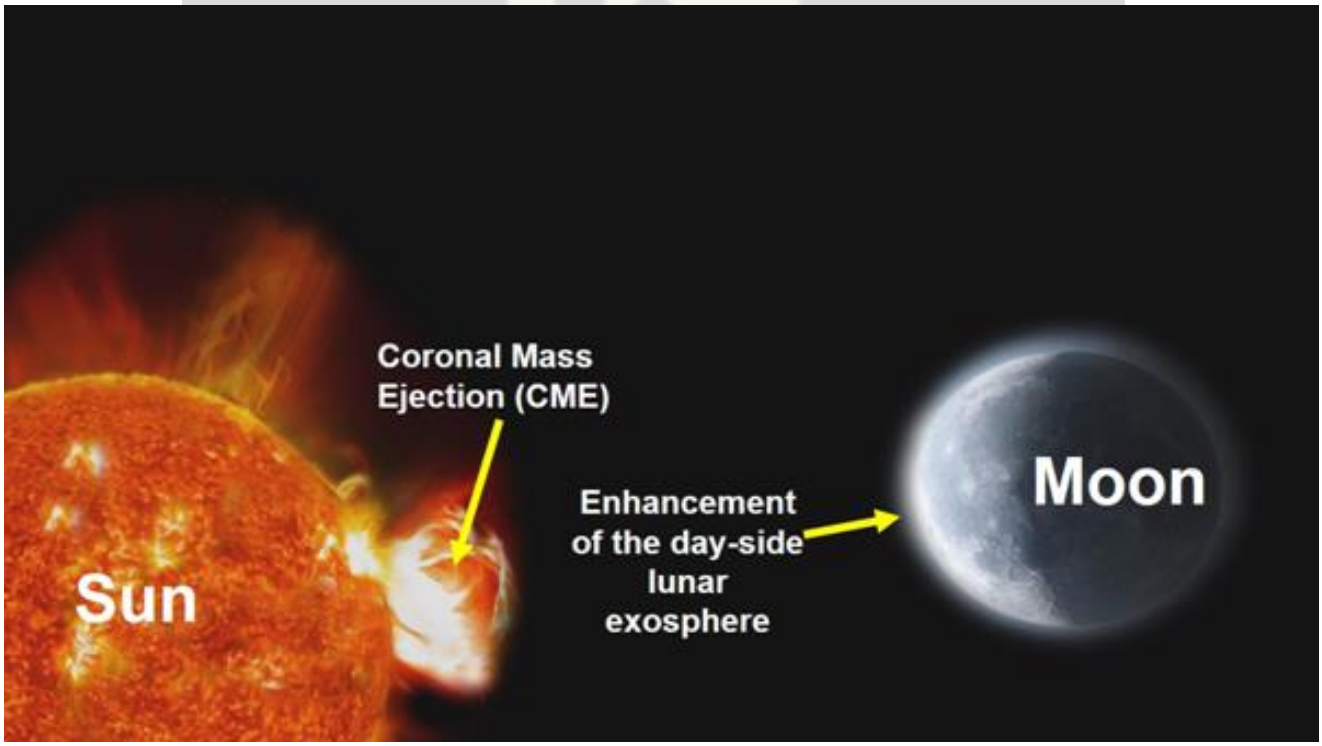

मुख्य बिन्दु:

- "चंद्रयान-2 ऑर्बिटर पर चेस-2 द्वारा देखे गए चंद्र बहिर्मंडल पर एक कोरोनल मास इजेक्शन का प्रभाव" शीर्षक वाला यह अध्ययन इस वर्ष 16 अगस्त को जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स में प्रकाशित हुआ था।
- इस अवलोकन से चंद्रमा के बाह्यमंडल और पतले वायुमंडल तथा उसकी सतह पर अंतरिक्ष मौसम के प्रभाव को समझने में सहायता मिलेगी।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

घटना :

- 10 मई, 2024 को, जब सौर विकिरण चंद्रमा से टकराया, तब चंद्र बाह्यमंडलीय दबाव में C.M.E. प्रेरित वृद्धि का पहला साक्ष्य दर्ज किया गया।
- तटस्थ परमाणुओं की कुल संख्या घनत्व में दस गुना वृद्धि देखी गई, जो लंबे समय से पूर्वानुमानित सैद्धांतिक मॉडल की पुष्टि करती है।

चंद्रयान-2 :

- **प्रक्षेपित :** श्रीहरिकोटा से 22 जुलाई, 2019 को GSLV-MK3-M1 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित किए गए चंद्रयान-2 में आठ वैज्ञानिक उपकरण थे और 20 अगस्त, 2019 को चंद्रयान-2 सफलतापूर्वक चंद्रमा की कक्षा में पहुंचा।
- हालांकि 7 सितंबर, 2019 को लैंडिंग के प्रयास के दौरान विक्रम लैंडर से संपर्क टूट गया था। लेकिन ऑर्बिटर पूरी तरह से सक्रिय है और चंद्रमा के चारों ओर कक्षा में कार्य करना जारी रखे हुए है।
- इसरो ने बताया कि, चंद्रयान-2 पर लगे पेलोड में से एक, चंद्रा एटमॉस्फेरिक कंपोजिशनल एक्सप्लोरर 2- चेज़- 2 ने सूर्य से निकलने वाले कोरोनाल मास के चंद्रमा के बहिर्मंडल पर पड़ने वाले प्रभावों को रिकॉर्ड किया है।

चंद्रा के वायुमंडलीय संरचना एक्सप्लोरर-2 (CHACE-2) पेलोड :

- CHACE-2, चंद्रयान-2 ऑर्बिटर पर लगा एक तटस्थ गैस द्रव्यमान स्पेक्ट्रोमीटर पेलोड है, जिसे इसरो द्वारा चंद्रमा के अत्यंत पतले वायुमंडल, जिसे चंद्र बहिर्मंडल के रूप में जाना जाता है, की संरचना और गतिशीलता का अध्ययन करने के लिए विकसित किया गया है।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

- **उद्देश्य:** इसका प्राथमिक लक्ष्य 1-300 amu की द्रव्यमान सीमा में चंद्र बहिर्मंडल की रासायनिक संरचना, स्थानिक और लौकिक विविधताओं और घनत्व का विश्लेषण करना है, साथ ही चंद्र सतह-बहिमंडल की अंत:क्रियाओं को समझने के लिए जल वाष्प और भारी अणुओं का पता लगाना है।

प्रमुख विशेषताऐं:

1. CHACE (चंद्रयान-1) और MENCA (मंगल ऑर्बिटर मिशन) उपकरणों का उत्तराधिकारी।
2. चंद्रमा पर तटस्थ गैसों और समस्थानिक प्रचुरता को मापने के लिए सुसज्जित ।
3. बाह्यमंडल संरचना और विविधताओं पर वास्तविक समय में डेटा प्रदान करता है ।
4. आर्गन-40 जैसी उत्कृष्ट गैसों का पता लगाने और उनके स्थानिक वितरण का अध्ययन करने के लिए डिज़ाइन किया गया ।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR

खेल

तन्वी शर्मा : बैडमिंटन

चर्चा में क्यों?

- भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने BWF विश्व जूनियर चैंपियनशिप के महिला सिंगल्स में रजत पदक हासिल किया।

मुख्य बिन्दु:

- महिला सिंगल्स के फाइनल में तन्वी शर्मा को थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त अन्यापत फिचितप्रीचासाक ने हराकर स्वर्ण पदक हासिल किया।
- जूनियर विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली तन्वी पाँचवीं भारतीय और तीसरी महिला शटलर बनीं।
- नोट ; तन्वी के अतिरिक्त साइना नेहवाल ने वर्ष 2006 में, अपर्णा पोपट ने वर्ष 1996 में, सिरिल वर्मा ने वर्ष 2015 में, और शंकर मुथुसामी ने 2022 में रजत पदक जीता था।
- साइना नेहवाल इस चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली एकमात्र भारतीय हैं। नेहवाल ने वर्ष 2008 में खिताब जीता था।

तन्वी शर्मा की उपलब्धियां :

- **वर्ष 2021 में, तन्वी ने अपना पहला राष्ट्रीय पदक जीता -** गोवा में राष्ट्रीय रैंकिंग चैंपियनशिप में अंडर-15 वर्ग में एकल कांस्य पदक।
- वर्ष 2024 में, उन्होंने ओडिशा में राष्ट्रीय चैंपियनशिप में अंडर-15 और अंडर-17 दोनों वर्गों में एकल स्वर्ण पदक जीता।

उत्कर्ष® Jodhpur : JALORI GATE CIRCLE, JODHPUR | Support@utkarsh.com | Call us at : 9829 213 213
Jaipur : NEAR MAHESH NAGAR THANA, GOPALPURA BYPASS ROAD, JAIPUR